



Saroj

Orchid Silk VOL-3



1006



1005



1004



1003



1002



1001



क प ध नी सा सा नी ध प

देखा

सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण
प्रसिद्धता
साम्प्रतये
साम्प्रतये साम्प्रतये
समो रामः ॥

1001

1002

1003

1004

1005

1006

ENGROSSING EXPRESSIONS

Ingenious collections that are crafted with passion and dedication and reflected in every